देहरादून जागरण

समर्थ युवाओं का निर्माण सशक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी गारंटी

राजभवन में युवाओं की आवाज कार्यक्रम को राज्यपाल ने किया संबोधित, कुलपति एवं छात्र-छात्राएं हुए शामिल

राज्य ब्यूरो, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि समर्थ युवाओं का निर्माण सशक्त राष्ट्र के निर्माण की सबसे बड़ी गारंटी है। शिक्षकों को बच्चों को स्वच्छंद वातावरण देने के साथ ही उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करना चाहिए। इससे उनमें सदैव कुछ नया सीखने और करने का साहस होगा।

- राज्यपाल ने कहा, शिक्षक बच्चों के अंदर पैदा करें आत्मविश्वास
- कहा, भारत की पहचान और परंपराओं में विश्व की रुचि बढ़ रही

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित 'विकसित भारत@2047 वाइस आफ यूथ' कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) • सौजन्य सूचि

राज्यपाल गुरमीत सिंह सोमवार को राजभवन में विकसित भारत@ 2047:युवाओं की आवाज कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कार्यक्रम में वर्चुअल भागीदारी की। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत@ 2047 से जुड़े विचारों के पोर्टल को लांच किया और अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जिस विश्वास के साथ वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं, देशवासियों को इस लक्ष्य प्राप्ति के लिए मेहनत करनी होगी। ऐसा हुआ तो यह लक्ष्य पहले ही प्राप्त किया जा सकता है।

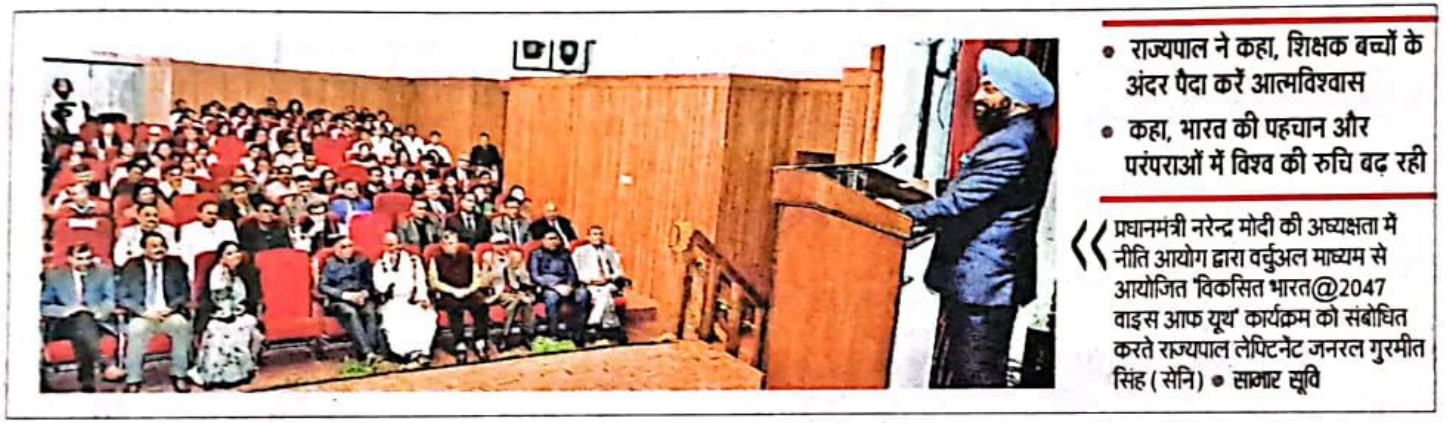

उन्होंने कहा कि देश जैसे-जैसे विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है, भारत की पहचान और परंपराओं में विश्व की रुचि बढ़ रही है। इसलिए हमें योग, आयुर्वेद, कला, संस्कृति से भी अपनी नई पीढ़ी को परिचित कराना होगा, ताकि वह संस्कारयुक्त शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को विकसित बनाने के भाव का बीजारोपण हुआ है। आज जिस बीज का रोपण हुआ है, उसे नई पीढ़ी विशालकाय वृक्ष के रूप में देखेगी और उसकी छांव में गुजर बसर कर रही होगी।

प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन के पश्चात पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार चार विभिन्न विषयों पर पैनल परिचर्चा हुई। इसमें विभिन्न कुलपतियों ने अपने विचार रखे। प्रथम सत्र में 'संपन्न एवं टिकाऊ अर्थव्यवस्था' विषय पर पेट्रोलियम विश्वविद्यालय के कुलपति डा राम शर्मा, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति डा रामकरण सिंह, जीबी पंत विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं डीन डा के रावेरकर, एवं कुमाऊं विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान की प्रो नीतू बोरा शर्मा ने प्रतिभाग किया। उन्होंने सशक्त जीडीपी, जीडीपी के साथ जीईपी एवं कृषि क्षेत्र का अर्थव्यवस्था में योगदान, महिला सशक्तीकरण पर विचार रखे। सत्र का संचालन आइएमएस यूनिसन के कुलपति डा रवि के श्रीवास्तव ने किया।

दूसरे सत्र में 'नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर यूटीयू के कुलपति डा ओंकार सिंह, आइआइटी रुड़की के डीन प्रो अक्षय द्विवेदी, ग्राफिक्क एरा हिल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो संजय जसोला, एनआइटी श्रीनगर के डीन डा हरिहरन मुत्थु स्वामी ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने परिचर्चा के दौरान डिजिटल इंडिया, कौशल विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विश्वविद्यालयों के मध्य 'टेक्नोलाजी एवं स्टूडेंट ट्रांसफर' पर प्रकाश डाला। सत्र का संचालन डा राम शर्मा ने किया।

तीसरे सत्र में 'दुनिया में भारत' विषय पर दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुरेखा डंगवाल, आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एके त्रिपाठी, एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो रमेश चन्द्र भट्ट एवं उत्तरांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो धर्मबुद्धि ने विचार रखे। प्रतिभागियों ने मातृ शक्ति एवं युवा शक्ति का समन्वय, भारत की अविरल संस्कृति, वैश्विक स्तर पर भारत की स्वीकार्यता एवं भारत के जीवंत लोकतंत्र पर प्रकाश डाला। सत्र का संचालन आइआइएम काशीपुर के प्रो अभ्रदीप मैती ने किया।